दिनांक 18.03.2017 को विभागीय सभाकक्ष में प्रधान सचिव, कृषि विभाग, बिहार की अध्यक्षता में विभागीय समाकक्ष में आयोजित राज्यस्तरीय मासिक समीक्षात्मक बैठक की कार्यवाही।

उपस्थितिः– पंजी में संधारित।

1. सभी योजनाओं में कृषि विभाग द्वारा अभी तक 50 प्रतिशत राशि व्यय किया गया है। सभी जिला कृषि पदाधिकारियों को कम से कम 70 प्रतिशत तक उपलब्धि प्राप्त करने हेतु रणनीति बनाने एवं वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में इसे क्रियान्वित करने का निदेश दया गया।

(अनु0– सभी जिला कृषि पदाधिकारी)

2. **प्रमण्डलवार विभिन्न योजनाओं अंतर्गत राशि की निकासी की समीक्षा की गयी :–**

2.1 **पटना प्रमंडल** :– समीक्षा के क्रम में पाया गया कि विभिन्न योजनाओं अन्तर्गत अभी तक कैमूर में कुल 29 प्रतिशत एवं भोजपुर में 41 प्रतिशत राशि की निकासी हुई है। जिला कृषि पदाधिकारी, भोजपुर द्वारा बताया गया कि उनके जिला में 70 प्रतिशत राशि की निकासी हो जाएगी। निदेशक, पी0पी0एम0 को कैमूर जिला में जाकर वहाँ की प्रगति की समीक्षा करने तथा योजना कार्यान्वयन में आ रही कठिनाइयों का निराकरण करने का निदेश दिया गया।

2.2 **तिरहुत प्रमंडल** :– समीक्षा के क्रम में पाया गया कि मुजफ्फरपुर जिला में कृषि यांत्रिकीकरण, जैविक खेती कार्यक्रम एवं अन्न भंडारण योजना अन्तर्गत राशि की निकासी बहुत कम हुई है। जिला कृषि पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर द्वारा बताया गया कि कृषि यांत्रिकीकरण योजना में कुल वित्तीय लक्ष्य 797.46 लाख रू0 के विरूद्ध 200.00 लाख रू0 की निकासी हो सकेगी तथा प्रमाणित बीज वितरण की राशि की निकासी की जा रही है। कृषि यांत्रिकीकरण योजना अंतर्गत पूर्वी चम्पारण में वित्तीय लक्ष्य 844.85 लाख रू0 के विरूद्ध 181.18 लाख रू0 (21 प्रतिशत) पश्चिम चम्पारण में वित्तीय लक्ष्य 649.09 लाख रू0 के विरूद्ध 162.15 लाख रू0(25 प्रतिशत) तथा सीतामढ़ी में वित्तीय लक्ष्य 562.55 लाख रू0 के विरूद्ध 157.89 लाख रू0 (28 प्रतिशत) की निकासी की गई है। जिला कृषि पदाधिकारी, पूर्वी चम्पारण द्वारा बताया गया कि 200.00 लाख रू0 तथा पश्चिम चम्पारण एवं सीतामढ़ी द्वारा 60 प्रतिशत तक राशि व्यय करने का आश्वासन दिया गया।

जिला कृषि पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चम्पारण एवं पश्चिम चम्पारण को कृषि यांत्रिकीकरण योजना अन्तर्गत जो राशि व्यय नहीं हो पाएगी उसे अविलम्ब प्रत्यार्पित करने का निदेश दिया गया ताकि जो जिले अतिरिक्त राशि की मांग कर रहे हैं उन्हें दिया जा सके।

2.3 **कोशी प्रमंडल** :– समीक्षा के क्रम में पाया गया कि विभिन्न योजनाओं अन्तर्गत अभी तक मधेपुरा में कुल 42 प्रतिशत तथा सुपौल में कुल 45 प्रतिशत राशि की निकासी की गई है। प्रमंडल के सभी जिलों में कृषि यांत्रिकीकरण, अन्न भंडारण योजना एवं दियारा विकास योजना अन्तर्गत राशि की निकासी बहुत कम हुई है। जिला कृषि पदाधिकारी, मधेपुरा द्वारा बताया गया कि कृषि यांत्रिकीकरण योजना अंतर्गत वित्तीय लक्ष्य 350.30 लाख रू0 के विरूद्ध अभी तक 40.13 लाख रू0 की निकासी हुई है। यहाँ 125.00 लाख रू0 की निकासी की ली जायेगी तथा सभी योजनाओं अन्तर्गत 60 प्रतिशत तक राशि की निकासी हो जाएगी। सहरसा जिला में कृषि यांत्रिकीकरण योजना अन्तर्गत वित्तीय लक्ष्य 315.27 लाख रू0 में से 71.45 लाख रू0 (22 प्रतिशत) की निकासी हुई है। जिला कृषि पदाधिकारी, सहरसा द्वारा बताया गया कि उनके जिला में 190.00 लाख रू0 की निकासी हो जाएगी।

2.4 **दरभंगा प्रमंडल** :– समीक्षा के क्रम में पाया गया कि विभिन्न योजनाओं अन्तर्गत मधुबनी में अभी तक 47 प्रतिशत राशि की निकासी की गई है। कृषि यांत्रिकीकरण योजना अन्तर्गत जिला का

वित्तीय लक्ष्य 822.19 लाख रू0 के विरूद्ध अभी तक 67.30 लाख रू0 की निकासी हुई है जो बहुत ही दयनीय है। जिला कृषि पदाधिकारी, मधुबनी द्वारा बताया गया कि कृषि यांत्रिकीकरण का 70.00 लाख का विपत्र कोषागार में भेजा गया है। समस्तीपुर में कृषि यांत्रिकीकरण योजना अनतर्गत वित्तीय लक्ष्य 785.10 लाख रू0 के विरूद्ध 105.90 लाख रू0 की निकासी कर ली गई है। जिला कृषि पदाधिकारी, समस्तीपुर द्वारा बताया गया कि उनके जिला में लगभग 400.00 लाख रू0 की निकासी हो जाएगी।

2.5 **मगध प्रमंडल :–** जहानाबाद जिला में विभिन्न योजनाओं अन्तर्गत अभी तक मात्र 47 प्रतिशत राशि की निकासी हुई है, जो संतोषजनक नहीं है। जिला कृषि पदाधिकारी, जहानाबाद को कम से कम 70 प्रतिशत तक की उपलब्धि प्राप्त करने का निदेश दिया गया। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि गया जिला में कृषि यांत्रिकीकरण योजना का वित्तीय लक्ष्य 684.12 लाख रू0 के विरूद्ध अभी तक 225.22 लाख रू0 की निकासी हुई है। जिला कृषि पदाधिकारी, गया द्वारा बताया गया कि जिला में 350.00 लाख रू0 व्यय हो जाएगा।

2.6 **सारण प्रमंडल :–** समीक्षा के क्रम में पाया गया कि सभी योजनाओं अन्तर्गत अभी तक सारण में 56 प्रतिशत, सिवान में 60 प्रतिशत तथा गोपालगंज में 60 प्रतिशत राशि व्यय हुआ है। इन जिलों में कम–से–कम 70 प्रतिशत राशि व्यय करने का निदेश दिया गया। गोपालगंज जिला में कृषि यांत्रिकीकरण योजना अन्तर्गत वित्तीय लक्ष्य 482.18 लाख रू0 के विरूद्ध अभी तक 155.14 लाख रू0 की निकासी की गई है। जिला कृषि पदाधिकारी, गोपालगंज द्वारा बताया गया कि उनके जिला में 300.00 लाख रू0 तक राशि व्यय हो जाएगा।

2.7 **पूर्णिया प्रमंडल :–** सभी योजनाओं में अभी तक पूर्णिया में 52 प्रतिशत, कटिहार में 51 प्रतिशत तथा अररिया में 60 प्रतिशत राशि की निकासी की गई है। पूर्णिया में कृषि यांत्रिकीकरण योजना अन्तर्गत वित्तीय लक्ष्य 517.21 लाख रू0 में से अभी तक मात्र 74.29 लाख रू0 की निकासी हुई है। जिला कृषि पदाधिकारी, पूर्णिया द्वारा बताया गया कि कृषि यांत्रिकीकरण योजना अन्तर्गत 56.00 लाख रू0 का विपत्र कोषागार में भेजा गया है तथा 50.00 लाख रू0 का विपत्र तैयार किया जा रहा है। कुल 180.00 लाख रू0 की निकासी हो जाएगी। इसके अतिरिक्त अन्न भंडारण योजना तथा एन0एम0ओ0ओ0पी0 योजना अन्तर्गत भी राशि की निकासी की जा रही है।

समीक्षा के क्रम में पाया गया कि अररिया जिला में कृषि यांत्रिकीकरण योजना अन्तर्गत कुल वित्तीय लक्ष्य 449.21 लाख रू0 के विरूद्ध अभी तक मात्र 69.78 लाख रू0 की निकासी हुई है। जिला कृषि पदाधिकारी, अररिया द्वारा बताया गया कि कुल 200.00 लाख रू0 की निकासी हो जाएगी। इसके अतिरिक्त अन्न भंडारण योजना तथा एन0एम0ओ0ओ0पी0 योजना अन्तर्गत भी राशि की निकासी होगी। इनके द्वारा कुल 76 प्रतिशत राशि की निकासी हो जाने का आश्वासन दिया गया।

किशनगंज जिला में सभी योजना अंतर्गत कुल 42 प्रतिशत तथा कृषि यांत्रिकीकरण योजना का वित्तीय लक्ष्य 259.64 लाख रू0 के विरूद्ध 45.57 लाख रू0 की निकासी हुई है। जिला कृषि पदाधिकारी, किशनगंज द्वारा बताया गया कि कृषि यांत्रिकीकरण योजना अंतर्गत 100 लाख रू0 की निकासी हो जाएगी तथा जैविक खेती कार्यक्रम, अन्न भंडारण योजना एवं किसान सलाहकार का वेतन मद में भी राशि की निकासी की जा रही है।

कटिहार जिला में कृषि यांत्रिकीकरण योजना अन्तर्गत वित्तीय लक्ष्य 490.43 लाख रू0 के विरूद्ध 133.29 लाख रू0 की निकासी की गई है। जिला कृषि पदाधिकारी, कटिहार द्वारा बताया गया कि लगभग 200.00 लाख रू0 की निकासी हो जाएगी।

2.8 **मुंगेर प्रमंडल** :– प्रमंडल के शेखपुरा जिला की स्थिति सभी योजनाओं में सतोषजनक पाई गई। मुंगेर जिला में कृषि यांत्रिकीकरण योजना अन्तर्गत वित्तीय लक्ष्य 208.12 लाख रू0 के विरूद्ध अभी तक मात्र 16.94 लाख रू0 की निकासी हुई है। जो बहुत ही दयनीय है। जिला कृषि पदाधिकारी, मुंगेर द्वारा बताया गया कि इस योजना अन्तर्गत कुल 60.00 लाख की उपलब्धि हुई है। शेष राशि की निकासी की जा रही है। जिला कृषि पदाधिकारी, मुंगेर द्वारा अन्न भंडारण योजना में 75 प्रतिशत, दियारा विकास योजना में 80 प्रतिशत तथा जैविक खेती कार्यक्रम में 70 प्रतिशत राशि की निकासी हो जाने का आश्वासन दिया गया।

लखीसराय जिला में सभी योजनाओं अन्तर्गत कुल 72 प्रतिशत की उपलब्धि हो गई है। कृषि यांत्रिकीकरण योजना में कुल वित्तीय लक्ष्य 164.85 लाख रू0 के विरूद्ध अभी तक 76.98 लाख रू0 की निकासी हुई है। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि उनके जिला में इस योजना अन्तर्गत 82 प्रतिशत उपलब्धि हो जाएगी।

जमुई जिला में सभी योजनाओं अन्तर्गत अभी तक 48 प्रतिशत राशि की निकासी की गई है। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि कुछ विपत्र कोषागार में भेजा गया है। कुल 60 प्रतिशत तक उपलब्धि हो सकेगी।

खगड़िया जिला में सभी योजनाओं अन्तर्गत कुल 66 प्रतिशत उपलब्धि हुई है। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा 80 प्रतिशत तक राशि व्यय हो जाने का आश्वासन दिया गया।

बेगूसराय जिला में कृषि यांत्रिकीकरण योजना अन्तर्गत कुल वित्तीय लक्ष्य 529.58 लाख रू0 के विरूद्ध अभी तक मात्र 74.12 लाख रू0 की निकासी हुई है। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा इस योजना अन्तर्गत 100.00 लाख रू0 व्यय हो जाने तथा अन्न भंडारण योजना, दियारा विकास योजना एवं किसान सलाहकार का मानदेय में राशि की निकासी कर कुल व्यय 70 प्रतिशत तक हो जाने का आश्वासन दिया गया।

2.9 **भागलपुर प्रमंडल** :– सभी योजनाओं अन्तर्गत भागलपुर जिला में अभी तक 44 प्रतिशत की उपलब्धि हुई है। जिला में कृषि यांत्रिकीकरण योजना का कुल लक्ष्य 498.67 लाख रू0 के विरूद्ध अभी तक मात्र 29.27 लाख रू0 की निकासी की गई है, जो बहुत ही दयनीय है। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा इस योजना में 125.00 लाख रू0 व्यय हो जाने का आश्वासन दिया गया।

बांका जिला में सभी योजनाओं अन्तर्गत कुल 53 प्रतिशत राशि की निकासी हुई है। कृषि यांत्रिकीकरण योजना में कुल वित्तीय लक्ष्य 381.21 लाख रू0 के विरूद्ध अभी तक 165.18 लाख रू0 (43 प्रतिशत) राशि की निकासी हुई है। जिला कृषि पदाधिकारी, बांका द्वारा इस योजना अन्तर्गत 60 प्रतिशत राशि की निकासी हो जाने का आश्वासन दिया गया ।

(अनु0– संबंधित जिला कृषि पदाधिकारी)

3. **कृषि यांत्रिकीकरण** :–

3.1 **कृषि यांत्रिकीकरण राज्य योजना की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि** कुल स्वीकृत राशि 175 करोड़ रू0 के विरूद्ध अभी तक मात्र 43.30 करोड़ रूपया की निकासी की गयी है। 17 जिलों यथा :– भागलपुर, मुजफ्फरपुर,, मुंगेर, मधुबनी, सारण, मधेपुरा, जमुई, खगड़िया समस्तीपुर, बेगुसराय, पूर्णियाँ, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पटना, नवादा एवं वैशाली की उपलब्धि अभी तक 20 प्रतिशत से भी कम है। निदेश दिया गया कि एक सप्ताह के अन्दर निर्धारित वित्तीय लक्ष्य के अनुरूप कम से कम 70 प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित किया जाय। सभी प्रमंडलीय संयुक्त निदेशक (शष्य) को प्रतिदिन अपने जिलों की समीक्षा करने का निदेश दिया गया।

(अनु0– सभी संयुक्त निदेशक, शष्य/जिला कृषि पदाधिकारी)

3.2 **जिला कृषि पदाधिकारी,** नालन्दा, बांका एवं शिवहर द्वारा अतिरिक्त आवंटन की मांग की गई। निदेश दिया गया कि जिला कृषि पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, मुजफ्फरपुर एवं अन्य जिले जो राशि व्यय नहीं कर पायेंगें उसे अविलम्ब प्रत्यार्पित कर दें ताकि आवश्यकता वाले जिलों को राशि आवंटित की जा सके।

3.3 **जिला कृषि पदाधिकारी,** पश्चिम चमपारण द्वारा अनु0 जनजाति के शीर्ष में अतिरिक्त आवंटन की मांग की गई। तदोपरान्त निदेश दिया गया कि जिन जिलों में उक्त शीर्ष की राशि व्यय होने की संभावना नहीं है के अविलम्ब राशि प्रत्यार्पित कर दें ताकि पश्चिम चम्पारण को राशि आवंटित किया जा सके।

3.4 **एस0एम0ए0एम0 योजना अन्तर्गत** वित्तीय वर्ष 2015–16 में 12 करोड़ रू0 बामेती के माध्यम से सभी जिला कृषि पदाधिकारियों को उपलब्ध करायी गयी थी। जिससे कृषि बैंक की स्थापना के साथ ही 10 प्रतिशत राशि फ्लेक्सी फंड अन्तर्गत पम्पसेट एवं कम्बाईन हार्वेस्टर का वितरण हेतु दिया गया था। लेकिन अधिकांश जिला कृषि पदाधिकारियों द्वारा अद्यतन व्यय प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं कराया गया है। सभी जिला कृषि पदाधिकारियों को निदेश दिया गया कि दिनांक 25.03.2017 तक अद्यतन व्यय प्रतिवेदन गुगल डॉक पर अपलोड करना सुनिश्चित किया जाय। कतिपय जिला कृषि पदाधिकारियों द्वारा बताया गया कि निदेशक, बामेती से प्राप्त पत्र के आलोक में राशि बामेती कार्यालय को वापस की जा चुकी है। तदोपरान्त जिला कृषि पदाधिकारियों को निदेश दिया गया कि जितनी राशि की आवश्यकता है उतनी राशि निदेशक बामेती से पुनः प्राप्त कर लें तथा विधिवत व्यय करना सुनिश्चित करें।

(अनु0– कंडिका 3.2 से 3.4– संबंधित जिला कृषि पदाधिकारी)

4. **बीज :–**

बीज योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2016–17 में कुल आवंटित राशि 4825.43 लाख रू0 के विरूद्ध 49 प्रतिशत राशि की निकासी हुई है। समीक्षा के क्रम में जहानाबाद, मुजफ्फरपुर, सुपौल, मधेपुरा, किशनगंज, कटिहार, रोहतास, कैमूर, नवादा एवं औरंगाबाद में राशि निकासी की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। मुजफ्फरपुर जिला में कुल वित्तीय लक्ष्य 326.07 लाख रू0 के विरूद्ध अभी तक 59. 76 लाख रू0 की निकासी हुई है। जिला कृषि पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर द्वारा बताया गया कि कुल 125.00 लाख रू0 की निकासी हो जाएगी। जिला कृषि पदाधिकारी, मधेपुरा द्वारा 65 प्रतिशत तथा नवादा द्वारा 40 प्रतिशत तक उपलब्धि कर लेने का आश्वासन दिया गया। सभी जिला कृषि पदाधिकारियों को की गई उपलब्धि के अनुसार राशि की निकासी कर लाभान्वित कृषकों को उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया।

(अनु0– सभी जिला कृषि पदाधिकारी)

5. <u>राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन</u>

5.1 सूचित किया गया कि कृषि विभाग के पत्रांक–211(आवंटन) दिनांक 17.03.2017 द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन चावल, गेहूँ, दलहन एवं कोर्स सिरियल कार्यक्रम अंतर्गत पूर्व वर्ष के अवशेष राशि के विरूद्ध अतिरिक्त कार्य योजना का आवंटन भेजा गया है। इसके अलावा उक्त आवंटन में अतिरिक्त क्षेत्र आच्छादन कार्यक्रम (दलहन) तथा गरमा मौसम में अनुदानित दर पर मूँग/उरद बीज वितरण (राज्य योजना अतिरिक्त सहायता) का आवंटन शामिल है।

5.2 सभी जिला कृषि पदाधिकारियों को बताया गया कि कृषि विभाग के पत्रांक 210 (आवंटन) दिनांक 17.03.2017 द्वारा अनुदानित दर पर गरमा मूंग बीज वितरण मद में राज्य योजना अंतर्गत अतिरिक्त सहायता का आवंटन भेजा गया है।